सोलापुर विश्वविद्यालय, सोलापुर
एम्.फिल. (हिंदी)

पाठ्यक्रम

प्रस्तावना :

विश्वविद्यालयों, शोध-संस्थाओं का सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण प्रदेय है - शोध-कार्य। इस शोध-कार्य को व्यवस्थित करने के लिए एम्.फिल. पाठ्यक्रम के अंतर्गत शोध-प्रविधि का विधिवत प्रशिक्षण दिया जाना आवश्यक है, इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत ऐसे पाठ्य विषयों का समावेश किया जा रहा है जो शोधार्थी के लिए आवश्यक है।

पाठ्य विषय :

इस पाठ्यक्रम में दो सैद्धांतिक प्रश्नपत्र, एक प्रस्तावित शोध-कार्य से संबंधित प्रश्नपत्र, एक लघुशोध-प्रबंध लेखन और मौखिकी का प्रावधान किया गया है। संपूर्ण परीक्षा ५०० अंकों की होंगी। इसकी अवधि एक वर्ष की रखी गयी है।

सोलापुर विश्वविद्यालय, सोलापुर

एम्.फिल. (हिंदी)
प्रश्नपत्र–१

अनुसंधान की प्रविधि और प्रक्रिया

उद्देश्य :

१. छात्रों को अनुसंधान की प्रविधि से परिचित कराना।

२. अनुसंधान की प्रक्रिया से बोध कराना।

३. अनुसंधान की पद्धति से अनुसंधान करने हेतु छात्रों को सक्षम बनाना।

४. वस्तुनिष्ठ पद्धति से अनुसंधान करने हेतु छात्रों को सक्षम बनाना।

५. साहित्यिक अनुसंधान के विविध क्षेत्रों से अवगत कराना।

६. अनुसंधान के क्षेत्र में संगणक की उपयोगिता से अवगत कराना।

पाठ्य विषय :

(क) अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया :

१. अनुसंधान स्वरूप, महत्व, व्याप्ति।

२. अनुसंधान और आलोचना।

३. अनुसंधान के मूलतत्व।

४. अनुसंधान के प्रकार।

५. विषय निर्वाचन।

६. सामग्री संकलन : हस्तलेखों का संकलन और उपयोग, कोश, सर्वेक्षण, संदर्भ कार्ड, साक्षात्कार, संदर्भ उल्लेख।

(ख) शोध प्रविधि में कंप्यूटर की उपयोगिता :

कंप्यूटर की कार्यप्रणाली, कंप्यूटर शिक्षण में शोध, ई–मेल प्रेषण एवं प्राप्ति। इंटरनेट, वेबसाईट, माइक्रोसॉफ्ट वर्ड, माइक्रोसॉफ्ट पॉवर पाईंट।

(ग)

१. साहित्यिक अनुसंधान में समाजशास्त्रीय प्रविधि का उपयोग।

२. साहित्यिक अनुसंधान में ऐतिहासिक तथ्यों और पद्धतियों का उपयोग।

(घ)

१. हिंदी अनुसंधान से संबंधित विषयों की भूमिका।

२. पाठालोचन के मुख्य सिद्धांत।

३. भाषा वैज्ञानिक अनुसंधान।

(ग)

१. शोध-कार्य का विभाजन, अध्याय, उप-शीर्षक और अनुपात।

२. रूपरेखा, विषयसूची, प्रस्तावना, भूमिका, सहायक ग्रंथों की सूची, पत्रिकाएँ, पाद टिप्पणी।

संदर्भ ग्रंथ सूची :

१. शोध प्रविधि - डॉ. विनय मोहन शर्मा

२. अनुसंधान की प्रक्रिया - डॉ. सावित्रि सिन्हा, विजयेंद्र स्नातक

३. अनुसंधान विवेचन - डॉ. उदयभानु सिंह

४. साहित्य सिद्धांत और शोध - डॉ. आनंदप्रसाद

५. हिंदी शोध तंत्र की रूपरेखा - डॉ. मनमोहन सहगल

६. शोध प्रक्रिया एवं विवरणिका - डॉ. सरनाम सिंह

७. शोध स्वरूप एवं मानक व्यावहारिक कार्यविविध - डॉ. वैजनाथ सिंहल

८. शोध विज्ञान कोश - डॉ. दु. का. संत

९. नवीन शोध-विज्ञान - डॉ. तिलक सिंह

१०. पाठ संपादन के सिद्धांत - कन्हैया सिंह

११. शोध-प्रविधि और सिद्धांत - डॉ. चंद्रभान रावत

१२. हिंदी अनुसंधान का स्वरूप - डॉ. भ.ह.राजुरकर, डॉ. राजमल बोरा

१३. हिंदी अनुसंधान वैज्ञानिक पद्धतियाँ - डॉ. कैलासनाथ मिश्र

१४. साहित्यिक अनुसंधान-सिद्धांत और प्रक्रिया - डॉ. नगेंद्र

१५. हिंदी शोध-संदर्भ और इतिहास - डॉ. जोगेश कौर

१६. कंप्यूटर शिक्षण - डॉ. सतनाम सिंह

१७. संचार से जनसंचार - रूपचंद्र गौतम

१८. प्रयोजनमूलक हिंदी अधुनातन आयाम- डॉ.अंबादास देशमुख

१९. अनुसंधान प्रविधि एवं प्रक्रिया - डॉ. देविदास इंगळे

प्रश्नपत्र का स्वरूप और अंक विभाजन :

प्र.१	‘क’ विभाग पर दीर्घोत्तरी प्रश्न	- २५
प्र.२	‘ख’ विभाग पर दीर्घोत्तरी प्रश्न	- २५
प्र.३	‘ग’ विभाग पर दीर्घोत्तरी प्रश्न	- २५
प्र.४	‘घ’ विभाग पर दीर्घोत्तरी प्रश्न	- २५
प्र.५	‘ङ’ विभाग पर दीर्घोत्तरी प्रश्न	- २५
प्र.६	पूरे पाठ्यक्रम पर टिप्पणियाँ (चार में से दो)	- २५

विशेष सूचना : १ किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं।

२. सभी प्रश्नों को समान अंक हैं।

प्रश्नपत्र - २
हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि

उद्‌देश्य :

१. हिंदी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि से परिचय कराना।

२. हिंदी साहित्य से संबंधित विभिन्न मतवाद से परिचय कराना।

३. राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन में हिंदी के योगदान को समझाना।

४. साहित्य के अंतर्विधापरक अंगों से परिचय कराना।

५. वैचारिक दृष्टि से रचना के मूल्यांकन के लिए छात्रों को सक्षम बनाना।

पाठ्‌य विषय :

(क)

१. विचारधार और साहित्य।

२. विविध धर्मों की विचारधाराएँ और विविध धर्मांदोलन।

३. भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन और हिंदी साहित्य।

(ख)

१. मध्ययुगीन बोध का स्वरूप।

२. मध्ययुगीन बोध और आधुनिक बोध में साम्य-वैषम्य।

३. आधुनिक बोध और औद्‌योगिक संस्कृति।

४. राष्ट्रीयता और अंतरराष्ट्रीयता।

५. पुनर्रजागरण, पुनरूत्थान और हिंदी लोकजागरण।

(ग)

१. हिंदी साहित्य में विशिष्ट मतवाद - अध्यात्मवाद, गांधीवाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, अंतःश्चेतनावाद, आधुनिकतावाद, उत्तर आधुनिकतावाद

(घ)

१. भारतीय सांविधानिक व्यवस्था - लोकतंत्र, समाजवाद, धर्मनिरपेक्षता, दलित विमर्श, स्त्री-विमर्श, आदिवासी विमर्श, आंचलिकता, महानगरबोध

(ड) साहित्य का अंतर्विधापरक अध्ययन-

१. साहित्य का समाजशास्त्र। २. इतिहास दर्शन

३. मनोवैज्ञानिक अध्ययन। ४. सांस्कृतिक अध्ययन।

५. भाषा वैज्ञानिक अध्ययन। ६. भाषा प्रौद्‌योगिकी।

७. साहित्य का वैज्ञानिक बोध। ८. अर्थ नीति का साहित्य पर प्रभाव।

संदर्भ ग्रंथ सूची :

१. हिंदी साहित्य और स्वाधीनता संघर्ष - डॉ. धर्मपाल सरीन
२. हिंदी साहित्य में प्रतिबिंबित चिंतन प्रवाह - डॉ. सुधाकर गोकाककर
३. हिंदी साहित्य का दार्शनिक परिपार्श्व - भगत, जोशी, पाटील
४. अस्तित्ववाद और साहित्य - डॉ. श्यामसुदंर मिश्र
५. हिंदी साहित्येतिहास परंपरागत दृष्टिकोण एवं नए सिद्धांत- डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त
६. साहित्य, समाज, संस्कृति - डॉ. गिरधर राठी
७. हिंदी साहित्य में दलित चेतना - आनंद वास्कर
८. स्त्रीवादी साहित्य विमर्श - जगदीश्वर चतुर्वेदी
९. स्त्री अस्मिता, साहित्य और विचारधारा - जगदीश्वर चतुर्वेदी
१०. वर्तमान के दर्पण में हिंदी साहित्य - डॉ. इन्द्रपाल सिंह
११. हिंदी के ऐतिहासिक उपन्यास - डॉ. राजनारायण सिंह
१२. समीक्षा, संदर्भ और दिशाएँ - डॉ. पद्मसिंह शर्मा 'कमलेश'
१३. वर्ग, विचारधारा और समाज - सं. एन. के. मेहता
१४. हिंदी साहित्य का सही इतिहास - डॉ. चंद्रभानु सोनवणे
१५. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. सूर्यनारायण रणसुभे
१६. उत्तर आधुनिकतावाद - सुधीश पचौरी
१७. उत्तरशती चिंतन वीथियाँ - डॉ. सुरेश महेश्वरी, नागनाथ कुंटे
१८. भाषा विज्ञान - डॉ. अंबादास देशमुख
१९. भाषा का समाजशास्त्र - डॉ. राजेंद्रप्रसाद सिंह
२०. भाषा और समाज - डॉ. रामविलाश शर्मा
२१. मानव मूल्य और साहित्य - डॉ. धर्मवीर भारती
२२. साहित्य और इतिहास दृष्टि - डॉ. मैनेजर पांडेय
२३. साहित्य का समाजशास्त्र - डॉ. नगेंद्र
२४. पाश्चात्य समीक्षा : इतिहास सिद्धांत - डॉ. भगीरथ मिश्र
२५. भारतीय साहित्य की भूमिका - रामविलास शर्मा
२६. हिंदी साहित्य में विविध वाद - प्रेमनारायण शुक्ल
२७. भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा - डॉ. हणमंतराव पाटील
२८. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ. रमेशचंद्र शर्मा
२९. आधुनिक भारत में सामाजिक परिवर्तन - एम.एन. श्रीनिवास

पत्रिकाएँ :

१. हंस
२. समयांतर
३. युद्धरत आम आदमी
४. बयान
५. आलोचना

प्रश्नपत्र का स्वरूप और अंक विभाजन

प्र.१	‘क’ विभाग पर दीर्घोत्तरी प्रश्न	–	२५
प्र.२	‘ख’ विभाग पर दीर्घोत्तरी प्रश्न	–	२५
प्र.३	‘ग’ विभाग पर दीर्घोत्तरी प्रश्न	–	२५
प्र.४	‘घ’ विभाग पर दीर्घोत्तरी प्रश्न	–	२५
प्र.५	‘ड’ विभाग पर दीर्घोत्तरी प्रश्न	–	२५
प्र.६	पूरे पाठ्यक्रम पर टिप्पणियाँ (चार में से दो)	–	२५

विशेष सूचना : १ किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं।
२. सभी प्रश्नों को समान अंक हैं।

प्रश्नपत्र - ३

आधुनिक हिंदी साहित्य

उद्देश्य :

१. विशिष्ट कालखंड का तथा विशिष्ट रचना का गहन अध्ययन करना।

२. शोधार्थी की रूचि के अनुसार विशिष्ट विषय के सूक्ष्म अध्ययन के लिए प्रेरित करना।

३. अनुसंधान में मौलिक शोध-दृष्टि का विकास करना।

सूचना :

(१) विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने तृतीय प्रश्नपत्र के लिए निम्नलिखित वर्गों में से किसी एक वर्ग को अध्ययन के लिए लेने का निर्देश किया है। वर्ग निम्नानुसार हैं -

१. आदिकालीन हिंदी साहित्य।

२. मध्यकालीन हिंदी साहित्य ।

३. आधुनिक हिंदी साहित्य।

४. लोकसाहित्य तथा जनपदीय साहित्य।

५. भाषा विज्ञान एवं प्रयोजनमूलक हिंदी।

६. काव्यशास्त्र तथा समीक्षा सिद्धांत।

उपसमिति के सदस्यों की चर्चा नुसार - 'आधुनिक हिंदी साहित्य' वर्ग पर अनुसंधान होगा।

(२) पेपर क्र. ३ वैकल्पिक है। शोधार्थी को निम्नलिखित में से एक विषय का चयन करना है।

वैकल्पिक विषय

(क) उपन्यास विधा

पाठ्य विषय :

(अ)

१. उपन्यास का शिल्प विधान।

२. हिंदी उपन्यास साहित्य के विकास के चरण।

३. हिंदी उपन्यास शिल्प के नये प्रयोग।

४. हिंदी उपन्यासों पर विविध वादों का प्रभाव - गांधीवाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, उत्तर आधुनिकता।

५. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी उपन्यासों में आँचलिकता, दलित चेतना, स्त्री-विमर्श, महानगर बोध, आधुनिक बोध।

अध्ययनार्थ विषय :

१. कितने पाकिस्तान - कमलेश्वर

२. सूत्रधार - संजीव

३. छप्पर - डॉ.जयप्रकाश कर्दम

४. चाक - मैत्रेयी पुष्पा

५. सहदेव राम का इस्तीफा - मधुकर सिंह

संदर्भ ग्रंथ सूची :

१. हिंदी उपन्यास : उद्‌भव और विकास - डॉ. सुरेश सिन्हा

२. हिंदी उपन्यास : पहचान, परख - डॉ. इन्द्रनाथ मदान

३. उपन्यास तत्व एवं स्वरूप विधान - डॉ. श्री नारायण अग्निहोत्री

४. प्रेमचंदोत्तर उपन्यासों की शिल्पविधि - डॉ. सत्यपाल चुघ

५. हिंदी उपन्यास में चरित्र-चित्रण का विकास - डॉ. रणवीर रांग्रा

६. हिंदी उपन्यास स्थिति और गति - डॉ. चंद्रकांत बांदिवडेकर

७. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी उपन्यास - डॉ. गीता

८. हिंदी उपन्यास सृजन और प्रक्रिया - डॉ. शिवबहादुर सिंह

९. हिंदी उपन्यास बदलते संदर्भ - डॉ. शशिभूषण सिंह

१०. उपन्यासकार मधुकर सिंह - डॉ. संजय नवले

प्रश्नपत्र का स्वरूप और अंक विभाजन

प्र.१	'कितने पाकिस्तान' पर दीर्घोत्तरी प्रश्न	–	२५
प्र.२	'सूत्रधार' पर दीर्घोत्तरी प्रश्न	–	२५
प्र.३	'छप्पर' पर दीर्घोत्तरी प्रश्न	–	२५
प्र.४	'चाक' पर दीर्घोत्तरी प्रश्न	–	२५
प्र.५	'सहदेव राम का इस्तीफा' पर दीर्घोत्तरी प्रश्न	–	२५
प्र.६	'अ' विभाग पर टिप्पणियाँ (चार में से दो)	–	२५

विशेष सूचना : १ किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं।
२. सभी प्रश्नों को समान अंक हैं।

तृतीय प्रश्नपत्र वैकल्पिक विषय (ख) नाटक विधा

पाठ्‌य विषय :

(अ)

१. नाटक का शिल्प विधान।

२. हिंदी नाटक शिल्प के विविध प्रयोग।

३. हिंदी नाटक साहित्य के विकास के चरण।

४. हिंदी नाटक और रंगमंच।

५. हिंदी नाटक पर विविध वादों का प्रभाव - गांधीवाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, उत्तर आधुनिकता।

६. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी नाटकों में आँचलिकता, दलित चेतना, स्त्री-विमर्श, महानगर बोध, आधुनिक बोध।

अध्ययनार्थ नाटक :

१. लहरों के राजहंस - मोहन राकेश

२. कबीरा खड़ा बाजार में - संजीव

३. खुजराहो का शिल्पी - शंकर शेष

४. सूर्य की अंतिम किरण से सूर्य की पहली किरण तक - सुरेंद्र वर्मा

५. कोर्ट मार्शल - स्वदेश दीपक

संदर्भ ग्रंथ सूची :

१. आधुनिक हिंदी नाटक-एक यात्रा दशक - डॉ. नरनारायण राय

२. हिंदी नाटक उद्‌भव और विकास - डॉ. दशरथ ओझा

३. भारतीय रंगमंच का विवेचनात्मक इतिहास - डॉ. अज्ञान

४. हिंदी नाटक पुनर्मूल्यांकन - डॉ. जयदेव तनेजा

५. हिंदी नाटक सिद्‌धांत और समीक्षा - डॉ. रामगोपाल सिंह

६. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी नाटक शीर्षकों के विशेष संदर्भ में - डॉ. राणू कदम

७. समकालीन नाट्‌य विवेचन - डॉ. माधव सोनटक्के

८. समकालीन हिंदी रंगमंच - डॉ. रमिता गुरव

प्रश्नपत्र का स्वरूप और अंक विभाजन

प्र.१	'लहरों के राजहंस' पर दीर्घोत्तरी प्रश्न	–	२५
प्र.२	'कबीरा खड़ा बाजार में' पर दीर्घोत्तरी प्रश्न	–	२५
प्र.३	'खुजराहो का शिल्पी' पर दीर्घोत्तरी प्रश्न	–	२५
प्र.४	'सूर्य की अंतिम किरण' पर दीर्घोत्तरी प्रश्न	–	२५
प्र.५	'कोर्ट मार्शल' पर दीर्घोत्तरी प्रश्न	–	२५
प्र.६	'अ' विभाग पर टिप्पणियाँ (चार में से दो)	–	२५

विशेष सूचना : १ किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं।
२. सभी प्रश्नों को समान अंक हैं।

तृतीय प्रश्नपत्र वैकल्पिक विभाग (ग) कहानी विधा

पाठ्य विषय :

(अ)

१. कहानी का शिल्प विधान।

२. हिंदी कहानी शिल्प के विविध प्रयोग।

३. हिंदी कहानी पर विविध वादों का प्रभाव - गांधीवाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, उत्तर आधुनिकता।

४. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कहानी में आँचलिकता, दलित चेतना, स्त्री-विमर्श, महानगर बोध, आधुनिक बोध, ग्रामीण जीवन।

५. हिंदी कहानी साहित्य के विकास के चरण - नई कहानी, सचेतन कहानी, समांतर कहानी, समकालीन कहानी।

अध्ययनार्थ रचनाएँ :

१. प्रतिनिधि कहानियाँ - फणीश्वरनाथ रेणु, राजकमल प्र. दिल्ली

२. मेरी प्रिय कहानियाँ - अज्ञेय, राजपाल ॲण्ड सन्स, दिल्ली

३. प्रतिनिधि कहानियाँ - ज्ञानरंजन, राजकमल प्रकाशन. दिल्ली

४. दस प्रतिनिधि कहानियाँ - नासिरा शर्मा , किताब घर प्र. दिल्ली

५. सलाम - ओमप्रकाश वाल्मिकी

संदर्भ ग्रंथ सूची :

१. कहानी का रचना विधान - डॉ. जगन्नाथ प्रसाद शर्मा

२. हिंदी कथा साहित्य पूर्व परिच्छेद - राजेंद्र पंजियार

३. हिंदी कहानी के आंदोलन : उपलब्धियाँ और सीमाएँ -

४. हिंदी के प्रतिनिधि कहानीकार - डॉ. द्वारिकाप्रसाद सक्सेना

५. हिंदी कहानी समीक्षा और संदर्भ - डॉ. विवेकी राय

६. नई कहानी के विविध प्रयोग - पाण्डेय शशिभूषण शीतांशु

७. कहानी नयी कहानी - नामवर सिंह

८. आज की कहानी - विनय मोहन सिंह

९. मनोविज्ञान के कठघरे में हिंदी कहानी - डॉ. जयश्री शिंदे

१०. आठवें दशक की हिंदी कहानी में चेतना के विविध आयाम -डॉ. भिमराव पाटील

११. रामदरश मिश्र के कथा साहित्य में चित्रित गामीण जीवन - डॉ. शिवाजी नाळे

१२. आठवें दशक की हिंदी कहानी में जीवन मूल्य - डॉ. रमेश देशमुख

१३. नई कहानी की भूमिका - कमलेश्वर

प्रश्नपत्र का स्वरूप और अंक विभाजन

प्र.१	प्रतिनिधि कहानियाँ- रेणु पर दीर्घोत्तरी प्रश्न	-	२५
प्र.२	मेरी प्रिय कहानियाँ- अज्ञेय पर दीर्घोत्तरी प्रश्न	-	२५
प्र.३	प्रतिनिधि कहानियाँ- ज्ञानरंजन पर दीर्घोत्तरी प्रश्न	-	२५
प्र.४	दस प्रतिनिधि कहानियाँ–नासिरा शर्मा पर दीर्घोत्तरी प्रश्न	-	२५
प्र.५	'सलाम' पर दीर्घोत्तरी प्रश्न	-	२५
प्र.६	'अ' विभाग पर टिप्पणियाँ (चार में से दो)	-	२५

विशेष सूचना : १ किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखने हैं।
२. सभी प्रश्नों को समान अंक हैं।

प्रश्नपत्र – ४

इसके अंतर्गत लगभग १०० (सौ) टंकित पृष्ठों का लघु शोध प्रबंध परीक्षणार्थ प्रस्तुत किया जाएगा। विषय का आबंटन संबंधित विभाग द्वारा किया जायेगा। विभाग ही विशेषज्ञ/ निर्देशक की व्यवस्था करेगा। इस शोध-प्रबंध का मूल्यांकन १०० अंकों में से बाह्य विशेषज्ञ परीक्षण द्वारा कराया जायेगा।

प्रश्नपत्र –५

मौखिकी

१०० (सौ) अंकों की यह परीक्षा एक बाह्य और एक आंतरिक परीक्षक (जो निर्देशक या अन्य कोई विशेषज्ञ) द्वारा सम्मिलित रूप से ली जायेगी। परस्पर समहमति न होने पर दोनों परीक्षक ५०-५० अंकों में अपना पृथक-पृथक मूल्यांकन कर सकते हैं। ऐसी स्थिति में परिणाम दोनों के योग से बनाया जाएगा।